तापमान
अधिकतम 42 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 18 मई 2026

11 विधायक ने मेधावी छात्रा को किया सम्मानित

12 श्री राम के वनवास प्रसंग का किया भावपूर्ण वर्णन

खबर संक्षेप

अवैध हथियार मामले में दूसरा आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट पश्चिम सोनीपत की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में दूसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गांव राठधाना निवासी नवीन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई। पुलिस के अनुसार 4 अप्रैल को हरसाना मोड़ के पास गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि राठधाना निवासी रजत अवैध पिस्तौल लेकर खरखौदा रोड स्थित अनाज मंडी गेट नंबर-2 के पास खड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली तो उसके पास से देशी पिस्तौल बरामद हुई। मामले में पहले रजत को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अब नवीन को भी पकड़ लिया गया है।

घर से आभूषण और नकदी चोरी

सोनीपत। दहिया कॉलोनी स्थित एक घर में चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित साहिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोर उनके घर से 300 ग्राम चांदी का सेट, 10 चांदी के सिक्के, दो जोड़ी पाजेब, दो जोड़ी बिछिया, सोने की अंगूठी और सात हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए।घटना का पता चलने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपितों का सुराग लगाया जा सके।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

सोनीपत। शहर निवासी एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 14 वर्षीय बेटी को सुमित बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोप है कि आरोपी ने किशोरी के साथ गलत काम किया।

बाइक व नकदी चोरी करने का आरोपी पकड़ा

सोनीपत। थाना राई पुलिस ने फैक्ट्री से मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और नकदी चोरी करने के मामले में गांव जगदीशपुर निवासी अंकित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। मुजफ्फरपुर निवासी सुमित ने शिकायत दी थी कि उसकी मोटरसाइकिल फैक्ट्री परिसर से चोरी हो गई। सीसीटीवी जांच में फैक्ट्री में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड अंकित चोरी करते दिखाई दिया। आरोप है कि उसने पांच मोबाइल फोन और करीब 90 हजार रुपये की नकदी भी चोरी की थी।

सारंग रोड अंडरपास में जलभराव से शहर दो हिस्सों में बंटा, लोगों में रोष

कूड़े के ढेरों में 'घिरा' शहर, सड़कों से कॉलोनियों तक फैला कचरा

सोनीपत। शहर के गीता भवन रोड पर लगा कूड़े का ढेर।

सोनीपत। सोनीपत। सारंग रोड स्थित रेलवे पार्क के साथ लगा कूड़े का ढेर व जलभराव।

> कर्मचारी की हड़ताल समाप्त होने के बाद भी पटरी पर नहीं लौटी शहर की सफाई व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम सोनीपत के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हुए दो दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाई है। शहर के प्रमुख बाजारों, कॉलोनियों, वार्डों और सेक्टरों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं।

सड़ांध मार रहा कूड़ा

सड़कों किनारे जमा कूड़ा अब सड़ने लगा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई इलाकों में नियमित कूड़ा उठान नहीं होने से गंदगी सड़कों तक फैल चुकी है। सेक्टरों और रिहायशी वार्डों में भी सफाई व्यवस्था चरमराई हुई दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि हड़ताल समाप्त होने के बावजूद निगम प्रशासन हालात सामान्य करने में नाकाम साबित हो रहा है। जगह-जगह फैली गंदगी के कारण मच्छर और मक्खियों का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है।

निगम के दावे फेल : शहरवासियों का आरोप है कि निगम की ओर से सफाई व्यवस्था को लेकर बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर कई दिनों से नहीं उठाए गए, जिसके कारण राहगीरों और दुकानदारों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। दुकानदारों का कहना है कि सड़कों के आसपास फैली गंदगी से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। उधर, मानसून का मौसम नजदीक आने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो बरसात के दौरान जलभराव और संक्रमण जैसी समस्याएं और गंभीर रूप ले सकती हैं।

सीवरेज व्यवस्था ठप होने से हालात बिगड़े

सारंग रोड स्थित रेलवे अंडरपास में कूड़ा जमा होने और पाइप लाइन बंद होने से दूषित जलभराव की स्थिति बन गई है। इससे शहर का आवागमन प्रभावित हो गया और लोगों को लंबा चक्कर लगाकर आवाजाही करनी पड़ रही है। शहर के बीचों-बीच स्थित यह रेलवे अंडरपास पिछले करीब 20 वर्षों से लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। रेलवे पार्क के पास बने अंडरपास में चार दिन से दूषित पानी भरा हुआ है, जबकि दोनों ओर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर कूड़ा उठान नहीं होने और सीवरेज व्यवस्था खराब होने से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। लोगों का कहना है कि मानसून से पहले यदि समाधान नहीं हुआ तो हालात और बिगड़ सकते हैं। शहर के लाइन पार क्षेत्र में जाने के लिए अब लोगों को गोहाना रोड फ्लाईओवर से होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जिससे प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति भी बनने लगी है।

पिकनिक पर आई किशोरी से छेड़छाड़, तीन युवकों पर केस दर्ज

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र में वाटर पार्क में पिकनिक मनाने आई एक किशोरी के साथ तीन युवकों द्वारा अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सोनीपत निवासी युवक ने बताया कि वह अपने परिवार और परिचितों के साथ वाटर पार्क में पिकनिक मनाने आया था। इसी दौरान उनके साथ आई किशोरी के साथ तीन युवकों ने अश्लील हरकत की। घटना से किशोरी सहम गई। आरोप है कि युवकों ने उसे धमकी भी दी। शिकायत में आरोपितों की पहचान इंद्रजीत, कैलाश और रोहित के रूप में की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजकीय महाविद्यालय बड़ौता में दाखिले शुरू, 30 मई तक करें आवेदन

गोहाना। उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालयों में ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में गांव बड़ौता स्थित राजकीय महाविद्यालय में भी नए सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यार्थी 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि दाखिला प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए एक कमेटी गठित की गई है। डॉ. प्रदीप कुंडू और डॉ. शैलेश कलकल को दाखिला प्रक्रिया का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में कंप्यूटर सेल भी स्थापित किया गया है, जहां आवेदन फार्म भरने में सहायता प्रदान की जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य, नॉन मेडिकल और कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कला संकाय में 320, वाणिज्य में 80, नॉन मेडिकल में 160 और कंप्यूटर साइंस में 60 सीटें उपलब्ध हैं।

खोदाई कार्य के दौरान टूटी बिजली लाइन, पांच गांवों की सप्लाई बाधित

■ बिजली न आने से पेयजल के लिए तरसे ग्रामीण, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

भुर्री-कामी रोड पर खोदाई कार्य के दौरान बिजली की मुख्य लाइन क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के पांच गांवों की बिजली सप्लाई ठप हो गई। शनिवार से शुरू हुई इस समस्या के कारण राजलूगढ़ी, भोगीपुर, पांची जाटान, उद्देशीपुर और अगवानपुर गांव के लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सड़क पर चल रहे खोदाई कार्य के दौरान बिजली की मुख्य तार टूट गई, जिससे इन गांवों की सप्लाई पूरी तरह प्रभावित हो गई। बिजली निगम की ओर से आसपास के पावर हाउसों के माध्यम से अस्थायी व्यवस्था कर बिजली सप्लाई देने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन वह पर्याप्त साबित नहीं हो रही। गर्मी के मौसम में लंबे बिजली कट के चलते ग्रामीणों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और दुकानदारों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

■ भुर्री-कामी रोड पर तार कटने हालात बिगड़े ■ दूसरे दिन भी लाइन ठीक करने में जुटे रहे निगम के कर्मचारी

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बिजली बाधित होने से दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जबकि किसानों के ट्यूबवेल भी बंद पड़े हैं। दूसरे दिन भी बिजली निगम के कर्मचारी क्षतिग्रस्त लाइन को ठीक करने में जुटे रहे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जल्द मरम्मत कार्य पूरा कर बिजली सप्लाई सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

एनएच-709 पर वाहन की टक्कर में युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

एनएच-709 पर गांव चिडाना के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। मृतक की बहन ने मुंडलाना पुलिस चौकी में शिकायत देकर अज्ञात चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में पूजा पत्नी राहुल निवासी उसमानगंज, जिला फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) ने बताया कि वह अपने पति राहुल और चचेरे भाई गोपाल उर्फ गोलू के साथ गांव चिडाना स्थित देव इंडस्ट्रीज में कार्य करती है। पूजा के अनुसार 15 मई 2026 की रात करीब 9:30 बजे गोपाल घरेलू सामान लेने के लिए दुकान पर जा रहा था। जब वह देव

इंडस्ट्रीज के पास एनएच-709 पर पहुंचा तो गोहाना की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। परिजन मौके पर पहुंचे और घायल गोपाल को सरकारी एंबुलेंस की मदद से नागरिक अस्पताल गोहाना पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनगणना ड्यूटी में लापरवाही करने वाले कर्मचारी नपेंगे

सोनीपत। अधिकारियों की बैठक लेतीं उपायुक्त नेहा सिंह।

सोनीपत। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में चल रहे हाउस वेरिफिकेशन कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर प्रशासन सख्त हो गया है। नेहा सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि ड्यूटी से अनुपस्थित रहने या कार्य में कोताही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के साथ निलंबन की कार्रवाई भी की जाएगी। उपायुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता, ईमानदारी और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसके आधार पर सरकार विकास योजनाएं और नीतियां तैयार करती है। इसलिए आंकड़ों की शुद्धता और पारदर्शिता बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने और सभी सूचनाएं सही तरीके से दर्ज करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक की।

पारा 42 डिग्री पार, लू और बिजली कटौती से लोग बेहाल

लू के थपेड़ों से सूनी हुई सड़कें, बाजारों में भी पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में गर्मी ने अब अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया, जबकि दोपहर के समय सड़कें सुनसान नजर आने लगीं। बाजारों में भी ग्राहकों की संख्या कम दिखाई दी। रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मई माह की शुरुआत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिल रही थी, लेकिन अब मौसम पूरी तरह शुष्क हो गया है। लू के थपेड़ों ने लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लग रहे अघोषित बिजली कट लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। रविवार को बिजली कटौती को लेकर कई शिकायतें दर्ज हुईं।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सप्ताह के अंत तक तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में तीन और न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। रविवार को सुबह हवाओं की गति 7 से 10 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जबकि दोपहर में यही हवाएं लू में बदल गईं।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगी तपिश, सप्ताहांत तक 45 डिग्री पहुंच सकता है पारा

सोनीपत। रेलवे रोड पर भीषण गर्मी के चलते सिर पर कपड़ा ढककर जाती स्कूटी सवार लोग।

गर्मी बढ़ने के साथ बाजारों में भी सन्नाटा दिखने लगा है। आमतौर पर रविवार को बाजारों में भीड़ रहती थी, लेकिन तेज गर्मी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में वातावरण से नमी पूरी तरह खत्म हो सकती है, जिससे गर्मी और अधिक बढ़ेगी।

गर्मी से बढ़ा किसानों का सिंचाई खर्च बिजली कटौती बनी बड़ी मुसीबत

खेतों में नमी कम हो रही

भीषण गर्मी का असर किसानों पर भी पड़ने लगा है। खेतों में नमी कम होने से खरीफ फसलों की बिजाई से पहले सिंचाई जरूरी हो गई है। इससे किसानों का खर्च बढ़ने की आशंका है। जिले में ज्वार, मक्का, मूंग और कपास जैसी फसलों के लिए अतिरिक्त सिंचाई की जरूरत पड़ेगी।

कई-कई घंटे लग रहे कट

उधर, तापमान बढ़ने के साथ बिजली की मांग भी बढ़ रही है। शहर की कॉलोनियों और पॉश इलाकों में 4 से 5 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को 6 से 7 घंटे तक कटौती झेलनी पड़ रही है। बढ़ती बिजली खपत के कारण कई फीडरों पर ओवरलोड और ट्रिपिंग की समस्या सामने आ रही है। लोगों का कहना है कि अघोषित कटौती के कारण पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है।

राहत के आसार नहीं

मौसम विशेषज्ञ प्रो. चंद्रमोहन ने बताया कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है। 25 मई को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, लेकिन इससे ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि जून के पहले सप्ताह तक लोगों को भीषण गर्मी और लू का सामना करना पड़ सकता है।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

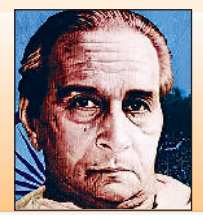

कहानी

आशमा कौल

मां की चिता के फूल

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता था।

समीर चलो अब घर चलें " – पिता की आवाज़ ने उसे चेताया तो वह धीमे स्वर में बोला – " पापा आप चलें, मैं थोड़ी देर और बैठना चाहता हूं यहां ''।

" ठीक है तो हम चलते हैं, तुम जल्दी आना, कल तुम्हें मांके फूल लेकर हरिद्वार सुबह चार बजे निकलना है "।

" जी पापा'' – बिना पलकें उठाए समीर ने कहा ।

मां की चिता पर बैठे हुए समीर को आज बचपन का एक एक दिन याद आ रहा है और याद आ रही है सुबह- शाम लट्टू सी दौड़ती मां। बड़ा परिवार था सास-ससुर, पति, एक ननद, दो देवर और बेटा-बेटी मिलाकर कुल आठ सदस्य और सारे घर को संभालने वाली अकेली मेरी मां।

दादा-दादी दोनों ने सत्तर पार करते ही पलंग पकड़ लिया था। ननद पूरा दिन दफ्तर रहती, पापा और दोनों चाचा अपने खानदानी कारोबार में व्यस्त रहते, मैं और दीदी अपनी पढ़ाई और खेल-कूद में लगे रहते। मां की मदद कराने के नाम पर एक मेहरी आती जो सुबह सफाई और बर्तन निपटा कर चली जाती । पूरा दिन मां घूमती रहती। सुबह सबका नाश्ता-पानी कराकर शायद कुछ खा लेती और फिर दिनभर दादा जी और दादी जी की सेवा, शाम को सबके आने से पहले रात के भोजन की तैयारी और उसके साथ न जाने कितने सैकड़ों काम वह अकेली जान निपटाती।

आज मैं पछताता हूं, काश कि मैं तब थोड़ा समझदार होता और मां के दुख-दर्द का साथी बनता। मुझे आज भी याद है कि जब एक रात मां बहुत थकी हुई थी, कामवाली आंटी भी उस दिन नहीं आई थी और जब उन्होंने हमसे कुछ मदद मांगी, तब मैं और दीदी उनकी अनसुनी कर पूरा दिन घर से बाहर दोस्तों के साथ खेलते रहे थे। रात को पापा थोड़ा देर से आए थे और उन्हे परोसा गया खाना शायद थोड़ा ठंडा था । तब पापा मां पर बरस पड़े थे –

" लता यह क्या, ठंडा खाना परोस कर रख दिया है, पूरे दिन का थका आता हूं, कोई शर्म लिहाज़ है कि नहीं, पूरा दिन घर में आराम करती हो ''।

मां ने अपने पर संयम रखते हुए धीमे से कहा – " आज मैं सुबह से ही खड़ी हूं, दिन का खाना भी नहीं खा सकी ''। बस इतना कहने की देर थी कि पापा ने गुस्से में खाने से भरी हुई थाली ज़मीन पर दे मारी और मां को गाली देते हुए अपने कमरे में चले गए। किसी की हिम्मत न हुई कि पापा को कुछ समझ सकें, उल्टे सब मां पर ही बरसने लगे कि उन्होंने पति के सामने मुंह ही क्यों खोला। उस दिन शायद मां भी सारा काम निपटा कर रोते-रोते भूखी ही सो गई थी। मेरे अबोध मन को भी उस दिन एक गलत तालीम मिल गई थी कि मां तो होती ही है सिर्फ काम करने के लिए और डांट खाने के लिए। उस दिन के बाद से मां भी अपने प्रति बेपरवाह सी हो गयी थी। सवेरे पांच बजे उठकर चक्की की तरह काम पर लग जाती लेकिन कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती, करती भी तो किससे। किसके पास समय था कि उसके मन की सुनता, उल्टे सब अपनी परेशानियां उसके हवाले कर के घर से निकल जाते जैसे कि उस पर कोई एहसान रख रहे हों। पढ़ी- लिखी तो मां भी थी, उस ज़माने की मैट्रिक पास और फिर जल्दी विवाह हो गया, चाहती तो कहीं नौकरी भी कर सकती थी लेकिन उसे तो यह घर और घरवाले जैसे विरासत में मिले थे। मां अपने संस्कारों की पक्की थी, जो नाना-नानी ने विदा करते हुए पोटली में बांध कर साथ दिए थे। सच कहुं तो दादा-दादी मां को बहुत प्यार करते, इतनी संस्कारी और सुशील बहू जो मिली थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से वे मां की कोई मदद न कर पाते और न ही कुछ कह पाते। बुआ जी और दोनों चाचा जी भी मां को बहुत मानते और उन्हे भाभी मां कह कर ही संबोधित करते और इस मान के एवज़ में मां उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखती।

मुझे याद आ रहा है कि मां मुझे और दीदी को कितना लाड़ करती। पिता जी व्यस्त रहते तो मां ही पापा के हिस्से का प्यार भी हम पर उड़ेल देती और हम मां की परेशानियों और जिम्मेदारियों से बेखबर हवा में उड़ते रहते। मां घर का कम ध्यान रखती तो पापा को शिकायत रहती, पूरा ध्यान रखती तो भी पापा खुश न होते।

"सब घरवालों का ध्यान रखती हो, लेकिन मेरा क्या, मुझे लगता है तुम्हारी शादी मुझसे नहीं मेरे परिवार से हुई है '' - पापा आए दिन तरह तरह के ताने मां को सुनाते। तारीफ के दो शब्द तो कभी न कहते, उल्टा हमेशा उसे कोसते हुए ही घर से निकलते।

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता। पापा के पास भी मां से लड़ने के कई बहाने रहते। उनके काम की थकान , घर की परेशानियों की झुंझलाहट, मां को खरी - खोटी सुना कर ही मानो दूर होती और वह हल्के हो जाते । हम में से जो भी घर घुसता मांको अपने दिनभर की थकान थमा कर हल्का हो जाता, लेकिन मां अपने दिनभर की थकान किसे देती। जब उसका कष्ट उसका पति और बच्चे ही नहीं समझ पाए तो बाकि भी क्यों समझते। मैंने भी तो पापा से यही कुछ सीखा था और अब मैं भी आए दिन मां को परेशान करता, कभी नमक ज्यादा का बहाना बना कर भरी थाली छोड़ देता, कभी दूध गिरा देता और अब तो मैंने मां पर चिल्लाना भी सीख लिया था। वह कहते हैं न कि संगत का असर तो होता ही है। पापा की मर्दानगी देख मैं भी मर्द बनने की कोशिश करता। मां की तकलीफ कभी समझ नहीं पाया। दीदी की बोर्ड की परीक्षा सिर पर आ गई थी और उससे किसी तरह की उम्मीद रखना ही बेकार था ।

मां ने जब दूसरी कामवाली बाई को रखने की इच्छा ज़ाहिर की तो सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि हाल ही में सोसाइटी में कई चोरियां हुई हैं और दो बाइयां रखने में चोरी का खतरा है। मां का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया बिचारी मां घर के चक्र व्यूह से कभी बाहर न आ सकी। अब आज इस चक्रव्यूह से मां निकल चुकी है लेकिन अपने जीवन को संस्कारों की दांव पर बलि चढ़ा कर।

कितनी अजीब बात है कि मां धीरे- धीरे अंदर ही अंदर तन और मन के बोझ से गल रही थी और परिवार में किसी को इसकी भनक तक न हुई । हम सब दोषी हैं, लेकिन मैं तो सबसे बड़ा दोषी हूं मां की असमय मृत्यु का। मां के बीमार होने से कुछ दिन पहले ही तो मैं बिना किसी बात मां पर भड़का था और मां मुझे समझाने का विफल प्रयास करती रही थी। वह मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करती थी

अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

और मेरे इस व्यवहार से बहुत आहत हुई थी। अगले दिन मां को कमज़ोरी और परेशानी से उसे चक्कर सा आया और बेहोश होकर कोमा में चली गई और फिर कभी होश में न आई। मैं कितना अभागा हूं कि मैंने अपनी प्यारी मां को अपनी नासमझी की वजह से धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल दिया। शायद अब घर में सभी को ऐसा महसूस हो रहा होगा। पापा और दीदी का तो रो-रो कर बुरा हाल है, शायद वे भी पछतावे की आग में जल रहे हैं और बाकि सब भी अंदर ही अंदर घुट रहे हैं। जाने-अनजाने में उनसे कितना बड़ा पाप हुआ है। सारा घर हैरान-परेशान है कि घर जिस धूरी पर चल रहा था, वह धूरी ही आज टूट गई है तो अब घर कौन संभालेगा। बहुत अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

मां को अग्नि के सुपुर्द करते समय मैं अंदर से पूरा टूट गया था। आज मेरा मन तड़प-तड़प कर कह रहा है कि हे ईश्वर, यह मेरे साथ ही क्यों हुआ, मेरी मां को इतनी जल्दी क्यों छीन लिया मुझसे, अब तो यह दुनिया रहने लायक ही नहीं रही। मैं ही मां का दोषी हूं और मुझे जीने का कोई हक नहीं है।

समीर अपनी पिछली यादों की अंतर्वेदना में गुम अपने साथ ही बुदबुदा रहा था कि तभी किसी की आवाज़ सुन कर अवचेतन मन से बाहर आया–" बेटा बहुत देर से यहां अकेले बैठे हो, फूल चुन लिए क्या''।

उसने अपनी आंखें खोली और मां की चिता से भस्म को जैसे ही अपने हाथ में लिया, उसी क्षण उसे एक शीतल सिहरन सी महसूस हुई। उसे लगा जैसे एक ठंडी लहर उसके दुख से जलते मन को शांत कर रही है और वह लहर उसके सिर को छूती हुई निकल गई है।

समीर को एक पल को ऐसा लगा जैसे मां उसके सिर पर अपना आशीर्वाद वाला हाथ रखकर व्योम में विलीन हो गई है। उसे अपने और अपनी सोच में कुछ बदलाव सा लगा। उसकी नकारात्मकता गायब हो गई और कुछ पल पहले वह रो-रो कर जहां खुद को दोषी मान रहा था और अपने जीवन को कोस रहा था, वहीं अब उसकी सोच ही बदल गई है। उसने अब तय कर लिया कि वह जीएगा और सिर्फ जीएगा नहीं बल्कि मां के सपने को पूरा करेगा। वह पढ़-लिख कर एक काबिल डॉक्टर बनेगा और गरीबों की सेवा करेगा।

समीर ने मां की चिता से फूल समेटे। मन ही मन संकल्प लिया और उठ खड़ा हुआ, कपड़े झाड़े और चिता को नमस्कार कर वापस घर की तरफ चल पड़ा । आज वह एक बदला हुआ समीर था, उसे यकीन हो गया था कि मां आज भी मरने के बाद उसे बहुत प्यार करती है और उसकी गलतियों को माफ़ कर चुकी है। उसे महसूस हो रहा था कि मां उसके साथ चल रही है, उसकी उंगली थामे।

पुस्तक समीक्षा

देशभक्ति और प्रेम संग्रह 'कितना सुंदर है तिरंगा'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

आज के दौर में जहां साहित्य कई बार जटिलता की ओर बढ़ता दिखता है, वहीं लघुकविता-संग्रह अपनी सरलता और सीधे संदेश के कारण अलग पहचान बनाते हैं। यह कृति देशभक्ति की भावनाओं को सहज शब्दों में पाठकों तक पहुंचाती है। 'कितना सुंदर है तिरंगा' लघुकविताओं का ऐसा संग्रह है, जिसमें राष्ट्रप्रेम, सैनिकों का पराक्रम और देश के प्रति समर्पण प्रमुख विषय के रूप में उभरकर सामने आते हैं। पुस्तक की कविताएं आकार में छोटी हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। लेखक ने कम शब्दों में बड़े भाव व्यक्त करने की कला को बखूबी निभाया है। इस संग्रह में प्रेम, स्मृतियों, प्रकृति प्रेम, श्रृंगार, व्यंग्य एवं प्रेम विषय लघुकथाएं अनायास ही मन को छू लेती हैं। वहीं, वीरों की गाथाएं मन में देशभक्ति का जोश भर देती हैं। संग्रह की "हे सैनिक" कविता सैनिक के जीवन, उसकी देशभक्ति और हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाने की भावना को उजागर करती है। वहीं "लहरा रहा है तिरंगा" कविता में भारतीय सेना के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी निर्णायक कार्रवाई को दर्शाया गया है। वहीं, भारत की ताकत में सेना के शौर्य को दर्शाया गया कि उसने कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई। लघु अध्याय दो मां, नाना-नानी, दादा-दादी, भाई बहन और परिवार प्रेम को दर्शाता है। अध्याय तीन प्रेम स्मृति और अध्याय चार प्रेम दर्शन के दर्शन करवाता है। भाषा की दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत सरल और सहज है। लेखक ने आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए सुलभ बन जाती है। कविताओं में सीधे-सीधे भाव व्यक्त किए गए हैं, जो बिना किसी जटिलता के पाठक के मन तक पहुंचते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है। हालांकि, साहित्यिक दृष्टि से देखा जाए तो कुछ कविताओं में रूपकों और प्रतीकों का विस्तार कम दिखाई देता है। यदि काव्यात्मक गहराई और बिंबों का प्रयोग थोड़ा और बढ़ाया जाता, तो यह संग्रह और अधिक प्रभावशाली बन सकता था। फिर भी, स्पष्ट और सटीक संदेश देने की दृष्टि से यह शैली उपयुक्त साबित होती है। पुस्तक की प्रस्तावना में लेखक ने लघुकविता विधा के प्रति अपने लगाव और साहित्यिक यात्रा का उल्लेख किया है, जो पाठकों को रचनाओं की पृष्ठभूमि समझने में मदद करता है। कुल मिलाकर 'कितना सुंदर है तिरंगा' एक ऐसी कृति है, जो देशभक्ति के भाव को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। यह संग्रह उन पाठकों के लिए खास है, जो कम शब्दों में गहरी भावनाएं पढ़ना पसंद करते हैं और राष्ट्रप्रेम से जुड़ी रचनाओं में रुचि रखते हैं।

डॉ. तेजिंद्र

कवि

कवि कॉर्नर

कविता डॉ. तबस्सुम जहां

आंखें

आंखों से अब क्या,
अपनी कहानी कहें।
बात जो भी कहें,
हम वो जुबानी कहें।
हजारो ख़्वाब देखे थे,
हमने बनके मरासिम।
क्यों उनको इन आँखों की,
नादानी कहें...।
जो बीत चुकी वो उम्र थी,
जो ढल चुकी
क्यों न उसे जवानी कहें।
जो छोड़ चुके थे कब से
आँखों की हया औ शर्म
वो चाहते हैं कि
हम उन्हें ख़ानदानी कहें।
देख कर आँख चुराते हो
करते हो नजरअंदाज,
क्या हम इसको
हुजूर की बेईमानी कहें।
आओ बैठो दोस्तों
कभी चाय पर मिलो,
तुम नई सुनाओ और
हम कुछ पुरानी कहें।
आँखों से अब क्या
अपनी कहानी कहें
बात जो भी कहें
हम वो जुबानी कहें।..

कविता सतीश कुमार

संघर्ष बहुत है जीवन में

संघर्ष बहुत है इस जीवन में,
जो हमने करना सीख लिया है।
आंधी में भी दीपक बनकर,
हमने जलना सीख लिया है।

हो लाख मुसीबत राहों में ,
या दुःख की काली रात मिले।
हंसकर हर मुश्किल में आगे,
हमने बढ़ना सीख लिया है।

अपने ही जब छोड़ चले तो,
दिल को थोड़ा दर्द हुआ।
टूटे अरमानों संग खुद को,
हमने गढ़ना सीख लिया है।

झूठ अक्सर रहा जीतता,
यहां सच को ठोकर मिलती है।
सच्चाई के पथ पर फिर भी,
हमने चढ़ना सीख लिया है।

मेरी मंजिल खुद आ जाएगी,
हिम्मत अगर सलामत है।
गिर के उठ जाने का हुनर,
हमने रखना सीख लिया है।

पसीना बोतलों में भरकर रखिए...

व्यंग्य आसिम अनमोल

एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

हर वर्ष की तरह घटना बनकर गर्मी फिर आ गई। गर्मी, बारिश लू के थपेड़े मानवीयता को चारों दिशाओं में बड़े साहस के साथ घेरे खड़े हैं । जितना गर्मी से लोग परेशान नहीं हो रहे हैं। उतना मौसम विभाग की चेतावनी से भयभीत हो रहे हैं। जिनको गर्मी नहीं लग रही होती है, उनको भी लगनी शुरू हो रही है। गर्मी का प्रकोप मानसिक पटल पर खूब उत्पात मचा रहा है । गर्मी और लाइट न जाने किस जन्म का बदला ले रहे हैं। इधर गर्मी अपनी आसमानी सत्ता का पावर दिखा रही है। उधर, विद्युत निगम के आकाओं से भीख रूपी अर्जित की जाने वाली लाइट से यदा-कदा पंखे व कूलर चलवा रही है।

कुछ समय बाद गर्मी यह कहकर चली जा रही है कि तुम आम या खास को ज्यादा गर्माहट मत देना। बस अपने हद में रहकर हल्के-फुल्के पसीने छुड़वाते रहना ताकि तुम्हारा संसार में तापमानीय भ्रम बना रहे, वरना तुम्हारी प्रतिष्ठा पर बन आएगी। मौसम विभाग, बिजली और गर्मी तीनों की तिकड़ी गर्मी का शुभारम्भ करते हुए इंसानी शरीर को पसीना-पसीना करके चिपचिपा बनाने पर तुली हुई है। मौसम विभाग शरीर के चिपचिपेपन में वृद्धि करते हुए गर्मी के बढ़ने की ओर पुरज़ोर तरीके से इशारा कर रहा है। छोटे शहरों में लाइट यह कहकर आ-जा रही है कि अपना-अपना पसीना बोतलों में भरकर रखिए। मैं रोस्टिंग निपटा के आती हूं। यह तीनों ही अनुमानित ढंग से ऐसे अपना अपना काम कर रहे हैं, जैसे सरकार अपने मुताबिक काम करती है। अब भला गर्मी को सोचना चाहिए कि इंसान का डीएनए पहले से ही जीवन की समस्याओं और उलझनों में उलझा हुआ है। ऊपर से तुम हर साल सताने आ जाती हो। डिग्री सेल्सियस रुतबा अलग दिखाती रहती है। घटने का काम ही नहीं लेती है।

उसको लगता है कि घटने पर मेरा अपमान हो जाएगा, इसलिए वीर तुम बढ़े चलो की तर्ज पर गर्मी बढ़ती ही रहती है। इसी कारण सरकारी ऑफिस दोपहर में सोने और लेटने के विश्रामगृह बनते जा रहे हैं। घर-घर नींद पसर रही है। गर्मी की पहुंच भी सीधे गगन तक है, इसलिए इंसान का मानसिक पारा इतना गर्म कर रही है कि घरेलू माहौल में भी रोज़-रोज़ की कलह पैदा कर देती है। यानी गर्मी लड़ाई-झगड़ा करवाने की भी प्रतीक है। अब अगर इंसान अपनी गर्मी की हैसियत दिखाने की ओर अग्रसर होगा तो गर्मी पूरे व्यक्तित्व को जलाने का ही काम करेगी। गर्मी का मिज़ाज़ समझने की ज़रूरत होनी चाहिए। उसके मिज़ाज़ के लिहाज़ से अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए। अब प्राकर्तिक गर्मी यह तो नहीं कहती कि आप अपने सिर के बाल नोचते घूमें। बीवी पर गर्मी का गुस्सा उतारें। पड़ोसियों के बच्चों की आपस में कोई नोक-झोंक हो जाए तो खुद परिपक्व बनकर लड़ाई झगड़ों के प्रतीक होते घूमें। बाप की अच्छी सलाह पर जिस्म से बहते पसीने से आजिज़ आकर उनके साथ खराब सलूख की अंताक्षरी खेलें। दुनियां को अपनी गर्मी से इतना गर्म न करें कि दुनियां आपकी आलोचनाओं भरी बातों को जगह-जगह चाय-पानी की तरह परोसती घूमें। ऐसे ही एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

कुछ हटकर

जीवनरक्षक प्रोफेशनल करियर बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज के बदलते लाइफस्टाइल, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित खान-पान और तनाव के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष देश में लाखों नए मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो रहे हैं। सरकारी और निजी स्तर पर डायलिसिस सेंटर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में डायलिसिस प्रक्रिया को सुरक्षित, प्रभावी और मानवीय तरीके से संचालित करने वाले प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की मांग अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी एक ऐसा हेल्थकेयर कोर्स है, जो जीवन बचाने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनने का अवसर भी प्रदान करता है।

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल होता है, जो किडनी फेल्योर से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस मशीन से रक्त शुद्धिकरण प्रक्रिया को संचालित करता है।

जिम्मेदारियां

- हेमोडायलिसिस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस प्रक्रिया का संचालन
- डायलिसिस मशीन और वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम का प्रबंधन
- मरीज की प्री-डायलिसिस और पोस्ट-डायलिसिस मॉनिटरिंग
- वास्कुलर एक्सेस की देखभाल संक्रमण नियंत्रण का पालन
- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया
- मरीज और परिजनों को डायलिसिस से संबंधित परामर्श
- डायलिसिस रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेशन का रख-रखाव

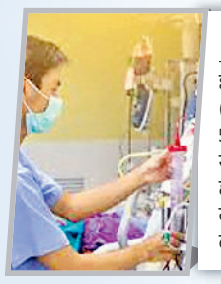

आवश्यक कौशल

इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा (**Physics**, **Chemistry**, **Biology**) न्यूनतम 50–55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सरकारी संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है निजी संस्थानों में प्रवेश लेते समय **NCAHP** मान्यता, अस्पताल से संबद्धता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सरकारी अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज*
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- राज्य एवं केंद्र सरकार की डायलिसिस योजनाएं

निजी क्षेत्र में विकल्प

- कॉर्पोरेट डायलिसिस चेन
- मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर कंपनियाँ

अनुभव के साथ इस क्षेत्र में स्थिर नौकरी, आकर्षक वेतन और सामाजिक सम्मान प्राप्त होता है।

विदेश में करियर की संभावनाएं

डायलिसिस टेक्नोलॉजी एक ग्लोबली डिमांडेड स्किल है। भारत में अनुभव प्राप्त करने के बाद छात्र निम्न देशों में अवसर तलाश सकते हैं: **खाड़ी देश** : यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा (ब्रिज कोर्स / लाइसेंसिंग के बाद) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की भारी मांग है, विशेषकर अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए।

बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी (डायलिसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी) एक ऐसा करियर है जो सेवा, तकनीकी दक्षता और मानवता: तीनों को एक साथ जोड़ता है।

मोटिवेशनल

टाइम मैनेजमेंट में मास्टर बनें

डॉ. दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

कल्पना करो कि फोन उठाया "बस पांच मिनट" नोटिफिकेशन चेक करने के लिए, और अचानक दो घंटे निकल गए। परिचित लग रहा है ना? तुम अकेले नहीं हो। आजकल छात्र औसतन 4.8 घंटे रोज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं यानी हफ्ते में 35 घंटे से ज्यादा! इतना समय किसी नई स्किल सीखने, एग्जाम में टॉप करने या अपना सपना पूरा करने के लिए काफी है। सबसे अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया समय का चोर नहीं, बल्कि तुम्हारा सबसे स्मार्ट टीचर बन सकता है, बस तुम्हें इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना है। यह फोन छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे सुपरपावर बनाने की बात है। तैयार हो? चलो शुरू करते हैं।

1. अपना समय ऑडिट करो (आँखें खोलने वाला कदम)

फोन में स्क्रीन टाइम चेक करो। ईमानदारी से देखो। ज्यादातर छात्र हैरान रह जाते हैं। चुनौती: रोज सिर्फ 30 मिनट माइंडलेस स्क्रोलिंग कम करो। हफ्ते में 3.5 घंटे एक्स्ट्रा मिल जाएंगे सीखने के लिए!

2. अपना फीड प्रोफेशनल तरीके से क्यूरेट करो

उन अकाउंट्स को अनफॉलो करो जो एनर्जी खाते हैं या तुलना का भाव जगाते हैं। फॉलो करो:

3. "लर्निंग स्क्रोल" का समय तय करो

टाइम-ब्लॉकिंग यूज करो:

- 25 मिनट पढ़ाई (पोमोडोरो) → 5 मिनट लर्निंग अकाउंट पर स्क्रोल
- या रोज शाम 30 मिनट "माइक्रो-लर्निंग" के लिए रखो — एक नया कॉन्सेप्ट, एक स्किल वीडियो।

4. देखना नहीं, करना सीखो

सिर्फ वीडियो मत देखो, एक्शन लो। पब्लिक स्पीकिंग का वीडियो देखा? खुद रिकॉर्ड करके प्रैक्टिस करो। कोडिंग ट्यूटोरियल देखा? छोटा प्रोजेक्ट बनाओ। नोट्स लिखो और किसी दोस्त को सिखाओ। इससे सीखना मजबूत होती है।

5. साफ लक्ष्य रखो और प्रोग्रेस ट्रैक करो

हर रविवार तय करो: "इस हफ्ते डिजिटल मीडिया पर मैं सीखूंगा/ङ्घ" (जैसे कंपाउंड इंटरेस्ट या बेसिक पाइथन)। हफ्ते के अंत में जो सीखा, उसे सेलिब्रेट करो। प्रोग्रेस देखना बहुत मोटिवेट करता है।

6. बैलेंस सबसे जरूरी है

डिजिटल डिटॉक्स का समय रखो -सोने से एक घंटा पहले या खाने के समय। बाहर घूमो, दोस्तों से मिलो, एक्सरसाइज करो। सबसे सफल छात्र जानते हैं कि कब लॉग ऑफ करना है।

लघु कथा

अपनापन

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृद्धाश्रम बहुत शानदार था। एसी कमरे, टीवी, डॉक्टर, नर्स, गार्डन... सब कुछ।

बस एक चीज नहीं थी—"अपनापन।"

रात के खाने के बाद बुजुर्ग अपने बच्चों की बातें कर रहे थे।

"मेरा बेटा लंदन में है..."

"मेरी बेटी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर है..."

हर परिचय उपलब्धियों से शुरू होता और आँखों की नमी पर खत्म।

एक बुजुर्ग रमेश रोज शाम को वहाँ आते थे। किसी कमरे में नहीं जाते थे, बस गेट के पास बैठे बुजुर्ग मुकेश के साथ घंटों बातें करते।

घुमंतू ने रमेश जी से पूछा—"आप यहाँ तो नहीं रहते न ....."

वो मुस्कराए—"नहीं, मेरा घर पास में ही है।"

"फिर भी रोज इस वृद्धाश्रम में आते हैं?"

उन्होंने गेट की ओर टकटकी लगाए बैठे अपने दोस्त मुकेश को देखा और धीमे से बोले—

"इसका बेटा अमेरिका में है। पहले हर हफ्ते फोन करता था... फिर हर महीने.. अब कभी-कभी।

लेकिन ये आज भी हर शाम गेट की तरफ देखता है। इसे लगता है शायद आज बेटा अचानक सामने आ जाए। बस... इसलिए मैं रोज आ जाता हूँ। कम से कम मेरा दोस्त इंतजार अकेले तो न करे।"

घुमंतू ने वृद्धाश्रम की चमकती दीवारों को देखा और सोचा

- सुविधाएँ इंसान को आराम दे सकती हैं, लेकिन किसी अपने की कमी...पूरी नहीं कर सकती।

लोक निर्माण विभाग ने अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए प्रारंभ की टेंडर प्रक्रिया

भिगान-कासंडी में 60 लाख से बनेगा आधुनिक पशु अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भिगान व कासंडी में पशु अस्पताल के नए भवन बनने से क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक ढांचे से मिलेगी नई मजबूती

जिले के गांव भिगान व कासंडी में जल्द राजकीय पशु अस्पताल के नए भवनों का निर्माण करवाया जाएगा। दोनों गांवों में अस्पताल के नवनिर्माण पर करीब 60 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। कार्य की शुरुआत करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर आवंटन पश्चात दोनों जगह निर्माण कार्य का श्रीगणेश होगा। भिगान व कासंडी में पशु अस्पताल के नए भवन बनने से क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक ढांचे से नई मजबूती मिल सकेगी। पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक के गांव भिगान के अलावा कासंडी में राजकीय पशु अस्पताल का भवन काफी समय से जर्जर हो चुका है। दोनों गांव में अस्पताल के भवनों को पहले ही कंडम घोषित किया जा चुका है। अब नए भवनों का निर्माण होने के बाद पशुपालकों को सुविधा मिल सकेंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण पर 30 लाख रुपये खर्च किए जाएगा। दोनों अस्पतालों के जर्जर भवन होने के कारण प्रचुर मात्रा में दवा नहीं मिलती और पशुओं का इलाज सही तरीके से नहीं हो पाता था। अस्पताल की छत पर पेड़ की जड़ फैलने के कारण बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था। जर्जर भवन होने से पशुपालन विभाग के कर्मचारी और पशुपालकों को हादसे की आशंका से बनी रहती थी। नया भवन बनाने की समय सीमा अगले छह माह निर्धारित की गई है।

सोनीपत। गांव भिगान में राजकीय पशु अस्पताल का पुराना भवन।

मिलेगी राहत

गांव भिगान व कासंडी में पशु अस्पताल की जर्जर बिल्डिंग को तोड़कर उसकी जगह नवनिर्माण किया जाएगा। सरकार से भवनों की मंजूरी मिलने के बाद विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर का आवंटन होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। नया भवन मिलने के बाद पशुपालकों को भी काफी राहत मिल सकेगी।

-**भूपेंद्र सिंह**, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सोनीपत

इन सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे नए भवन

दोनों गांवों में अस्पताल के नवनिर्माण के बाद भवन में दवा स्टोर, डॉक्टर कक्ष, फार्मासिस्ट, लैब, पेयजल, शौचालय, विद्युतीकरण की आधुनिक सुविधाएं होगी। आधुनिक सुविधाएं मिलने से अस्पताल स्टाफ के साथ-साथ ग्रामीणों को भी सुविधा मिलेगी। सुविधाओं का अस्पताल प्रशासन लंबे समय से इंतजार कर रहा था। पशु अस्पताल का नया भवन बनने के बाद गांव के लोगों को अपने पशुओं के रोग निदान एवं उपचार के लिए अब किसी दूसरे गांव में नहीं जाना पड़ेगा।

खेल प्रतियोगिताएं अनुशासन, भाईचारे की भावना को करती हैं मजबूतः कौशिक

■ नगर खेड़ा भंडारे के उपलक्ष्य में क्रिकेट प्रतियोगिता हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

गांव उमेदगढ़ में नगर खेड़ा भंडारे के उपलक्ष्य में प्रथम विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने भाग लेकर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता माईराम कौशिक ने शिरकत की।

गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और आयोजन समिति द्वारा उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। माईराम कौशिक ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, भाईचारे और टीम भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर इस प्रकार के आयोजन होने से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। आयोजन समिति ने बताया कि भविष्य में भी गांव में खेल और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के आयोजन होगा। इस अवसर पर गांव के सरपंच टिंकू सैनी, सत्यवान रंगा, राजेश गुप्ता, सूरत सिंह, सुखबीर गौतम, नवीन मास्टर, दिनेश त्यागी, अनुज त्यागी, प्रताप सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राई। भाजपा नेता माईराम कौशिक का कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत करते आयोजक।

संगठन ने 38 पौधे रोपे, पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई की

गोहाना। गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के साप्ताहिक अभियान के तहत समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को आंवला, चांदनी, गुडहल और जंगली जलेबी के 38 पौधे रोपे। पौधारोपण अंबेडकर चौक, देवीलाल चौक और छोटूराम चौक के समीप डिवाइडर पर किया गया। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। संगठन की टीम द्वारा नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के बाद सिंचाई की गई। पुराने पौधों की देखभाल में 3 पौधे सूखे हुए मिले जिनके स्थान पर नए पौधे रोपे गए। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि गर्मी के मौसम में तेज धूप से पौधों के सूखने का डर रहता है। ऐसे में हर तीसरे दिन पौधों की सिंचाई अवश्य करें। पौधारोपण में मनोज कुमार, दीपक, कमल नारंग, सोमू, अभिमन्यु शर्मा, हरीश पांचाल, डॉ. विजेंद्र, श्यामलाल व प्रवीण कश्यप ने अपनी सेवाएं दी।

गोहाना। टैंकर की सहायता से पौधों की सिंचाई करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

डोभ के आनंद की हत्या का दूसरा आरोपी पकड़ा

रोहतक। जिला पुलिस की टीम ने डोभ निवासी आनंद की हत्या की वारदात मे शामिल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ़्तार किया है। अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत भेजा गया है। दीपक की शिकायत के आधार पर धारा 103(1), 3(5) बीएनएस व शस्त्र अधिनियम के तहत थाना बहु अकबरपुर में अभियोग संख्या 72/2026 अंकित कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दीपक का सबसे छोटा भाई आनंद जो किसी कम्पनी मे काम करता था। 7 मई की सुबह करीब 9 बजे आनंद की पत्नी दीपक के घर पर गई जिसने बताया कि आनंद का राहुल व पारस निवासीगण डोभ के साथ झगडा हुआ है। दीपक राहुल के घर पर पहुंचा तो बाहर आंगन मे आनंद गिरा हुआ था जिसके छाती मे गोली लगी हुई थी।

लोगों की जान बचाने में एक यूनिट रक्त मददगार साबित हो सकता है : कादियान

■ विधायक कादियान ने किया रक्तदान, रक्तदाताओं को हेलमेट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए ।

गन्नौर के पटेल नगर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता ओमबीर ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे और उन्होंने स्वयं रक्तदान कर युवाओं को मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के दौरान करीब 63 यूनिट रक्त एकत्र किया। रक्तदाताओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हेलमेट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों की जान बचाने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से समय-समय पर रक्तदान करने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे आयोजनों से सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। इस अवसर पर डॉ. सिया, प्रिया, सुरेश, गौतम, सुनैना, अंकित मल्होत्रा, पार्षद अजय सरोहा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

विधायक ने मेधावी छात्रा को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में सोनीपत की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। कॉमर्स संकाय में शहर की मेधावी छात्रा तनीषा ने 500 में से 493 अंक हासिल कर प्रदेशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भारती ने 492 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। निखिल मदान ने तनीषा के आवास पर पहुंचकर सम्मानित व प्रोत्साहित किया। तनीषा की इस उपलब्धि पर उनके आर्य नगर स्थित आवास पर पहुंचकर विधायक निखिल मदान ने उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान परिवारजनों को भी बधाई देते हुए कहा गया कि बेटियों की यह सफलता पूरे शहर के लिए गर्व की बात है। वहीं, छात्रा भारती की उपलब्धि को भी प्रेरणादायक बताते हुए कहा गया कि सोनीपत की बेटियां लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

सोनीपत। छात्रा को सम्मानित करते हुए विधायक निखिल मदान।

छात्राओं की मेहनत सभी के लिए प्रेरणा स्रोत

दोनों छात्राओं की मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। इस अवसर पर दोनों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनका यह उत्कृष्ट प्रदर्शन आने वाले समय में और बड़ी उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

छात्रों को इग्नू की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं से कराया अवगत

■ हिंदू कॉलेज (इग्नू स्टडी सेंटर) में विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीटिंग की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिंदू कॉलेज (इग्नू स्टडी सेंटर) में रविवार को जनवरी 2026 के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न कोर्सेज में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को पूरे साल की शैक्षणिक प्रक्रिया और कार्यक्रमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बैठक के दौरान विद्यार्थियों को विषय-वार जानकारी देने के साथ इग्नू की महत्वपूर्ण प्रक्रिया जैसे असाइनमेंट तैयार करना, एग्जाम फॉर्म भरना, पुस्तकें प्राप्त करना और काउंसिलिंग सत्र के बारे में पूरी रूपरेखा समझाई गई। करनाल स्थित इग्नू रीजनल सेंटर के सहायक निदेशक डॉ. अमित कुमार जैन ने विद्यार्थियों की विभिन्न गतिविधियों का आकलन करते हुए उन्हें सफलता के मंत्र दिए। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा में समय प्रबंधन और निरंतरता बेहद जरूरी है। स्टडी सेंटर पर उपस्थित मुख्य परामर्शदाताओं ने भी छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उनके सवालों के जवाब दिए। स्टडी सेंट्रल के कॉर्डिनेटर डॉ. कपिल गुप्ता ने विभिन्न जानकारियां साझा की और विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया। एमएसडब्ल्यू काउंसलर ललिता ने विद्यार्थियों को सोशल वर्क और फील्ड वर्क की बारीकियों से अवगत कराया। काउंसलर डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को शैक्षणिक सत्र के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में बताया।

झिंझौली स्थित सूर्या साधना स्थली में 10 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

सूर्या साधना स्थली, झिंझौली में 10 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर (पीडीसी) का शुभारंभ हुआ। जिसके मुख्य अतिथि वेद वाइस चेयरमैन, सूर्या फाउंडेशन रहे। सूर्या फाउंडेशन द्वारा देशभर में युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु 10 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित इस शिविर में कक्षा 6 से 12 वीं तक के कुल 64 लड़के-लड़कियां सहभागिता कर रहे हैं। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को योग, व्यायाम, पी.टी. प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट, डांस, संगीत, आर्ट एंड क्राफ्ट,राइफल शूटिंग, तीरंदाजी, घुड़सवारी, खेलकूद एवं अभिव्यक्ति जैसी विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना के विकास हेतु विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास को सशक्त बनाना है, ताकि वे भविष्य में एक जागरूक, अनुशासित एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शिविर में स्वास्थ्य जागरूकता, स्व प्रबंधन, समय प्रबंधन, करियर परामर्श, संवाद कौशल, गौरवशाली भारत तथा आधुनिक तकनीक एवं एआई के सकारात्मक उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

खरखौदा। व्यक्तित्व विकास शिविर में भाग लेती छात्राएं।

प्रशिक्षण का महत्व बताया

उद्घाटन सत्र में वाइस चेयरमैन वेद ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में प्रशिक्षण के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर रामबरन (काका जी), द्ववेश भारत (युवा विकास प्रमुख) एवं हिमांशु (प्रशिक्षण प्रमुख) विशेष रूप से उपस्थित रहे। सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर पिछले 30 वर्षों से राष्ट्र निर्माण एवं युवा विकास के इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके सतत प्रयासों का प्रभाव आज देशभर में युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

नियमित योग से उच्च रक्तचाप पर होगा नियंत्रण : दांगी

गोहाना। योग का अभ्यास करवाते हुए आजाद सिंह दांगी। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर सेक्टर-7 स्थित महर्षि सरस्वती पार्क में योग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में साधकों को उच्च रक्तचाप नियंत्रण के लिए योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। योग शिक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा नियमित योग उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण करने का प्राकृतिक अचूक उपाय है। उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण के लिए प्राणायाम और हल्के स्ट्रेचिंग वाले योग सबसे असरदार होते हैं। इससे नसों को आराम मिलता है और तनाव कम होता है। शवासान, शशांक आसन, पश्चिमोतान आसन, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली और शीतकारी आसन करने से भी उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण करने में काफी मदद मिलती है। रोजाना केवल 30 मिनट इनका अभ्यास उच्च रक्तचाप को सामान्य रखने में काफी मदद करता है। दांगी ने कहा कि योग के साथ-साथ अपने खानपान में नमक की मात्रा कम करें और ताजे फल सब्जियों का सेवन बढ़ाएं। इस अवसर पर प्राचार्या अनीता दूहन, सुभाष वर्मा, सुरेश पंवार, रणधीर राठी, कृष्ण लाल पांचाल, सुखबीर सिंह, राजेंद्र रोहिल्ला, मूर्ति देवी, राजपाल राठी, सुनीता देवी व अत्रावती देवी सहित अन्य योग साधक उपस्थित रहे।

छात्रों को योग व प्राणायाम का महत्व समझाया

गन्नौर। भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में गार्गी गुरुकुल गन्नौर में बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर में आचार्य छबील दास ने योग आसनों, जिला मंत्री यशवीर धामा ने प्राणायाम, संगठन मंत्री डा. प्रेम ने दिनचर्या तथा अजीत कुंडू ने संतुलित भोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला प्रधान मास्टर ओमप्रकाश ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार पेड़ में पानी की तरह हैं, जैसे पेड़ को पानी मिलने से हरियाली आती है, उसी प्रकार जीवन में संस्कार आने से सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि बच्चे को उपहार न मिले तो वह एक दिन रोएगा, लेकिन संस्कार न मिले तो जीवन भर परेशान रहेगा। संस्कारों से जीवन सुंदर और सुखमय बनता है।

गीला-सूखा कचरा अलग करने व प्लास्टिक बैन पर जोर

खरखौदा नगर पालिका ने स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में बेहतर रैंकिंग अर्जित करने के लिए नगर पालिका खरखौदा ने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पालिका ने साफ सिटी एंड सेफ सिटी की थीम पर दो जागरूकता पोस्टर जारी किए हैं। इन पोस्टरों के माध्यम से नागरिकों को कचरा प्रबंधन के नियमों की जानकारी दी गई है और उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

खरखौदा। कचरा प्रबंधन की जानकारी देते अभियान से जुड़े व्यक्ति

गीला-सूखा कचरा अलग करना अनिवार्य

नगर पालिका ने शहरवासियों से अपील की है कि घर में दो डस्टबिन रखें। हरा डस्टबिन गीले कचरे जैसे रसोई का बचा खाना, फल-सब्जी के छिलके, चाय पत्ती, फूल-पत्ते के लिए और नीला डस्टबिन सूखे कचरे जैसे कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, दूध के पैकेट के लिए इस्तेमाल करें। पालिका ने कहा है कि गीले कचरे से घर पर ही खाद तैयार करें और सूखे पत्तों को सड़क व गलियों में न फेंकें।

प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध

अभियान में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह रोक लगाने पर जोर दिया गया है। नागरिकों से कहा गया है कि बाजार जाते समय अपने साथ कपड़े या जूट का थैला लेकर चलें। प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल से पर्यावरण को नुकसान होता है। साथ ही नदी-नालों और गलियों में कचरा डालने व खुले में कचरा जलाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है, क्योंकि इससे वायु प्रदूषण फैलता है।

नियम तोड़ा तो दण्डनीय अपराध

नगर पालिका ने साफ किया है कि उपरोक्त नियमों का उल्लंघन दण्डनीय अपराध है। सभी घरों व दुकानों का कूड़ा इधर-उधर न डालकर सिर्फ निगम की कचरे वाली गाड़ी में ही डालें। पालिका का श्लोगन है- हम सब का एक ही नारा, साफ सुथरा हो खरखौदा हमारा।

शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर जारी

घर-घर कूड़ा उठाव कार्य से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 18008919279 जारी किया गया है। पालिका ने शहरवासियों से अपील की है कि खरखौदा को स्वच्छ और सुंदर बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

खबर संक्षेप

सतकुंभा धाम पर चबूतरा व लाइब्रेरी निर्माण का निर्णय

गन्नौर। गांव खेड़ी गुर्जर स्थित सतकुंभा धाम में बेनीवाल खाप की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रोहतास बेनीवाल ने की। बैठक में समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। खाप ने सतकुंभा धाम के महंत राजेश स्वरूप महाराज का सम्मान किया। बैठक के दौरान बेनीवाल खाप की ओर से सतकुंभा धाम तीर्थ स्थल पर महाराज चकवा बेन के नाम से चबूतरा निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया।

29 युवाओं ने की इनेलो में शामिल होने की घोषणा

खरखौदा। इनेलो के विधानसभा क्षेत्र खरखौदा के अध्यक्ष बलवान नंबरदार की पहल पर शहर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें इनेलो के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत की उपस्थिति में 29 युवाओं ने इनेलो में आस्था जताते हुए पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। जिला अध्यक्ष ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए पार्टी में पूरा मान सम्मान देने का भरोसा दिलाया। साथ ही हरा पटका पहना कर सभी का स्वागत किया। इनेलो में शामिल होने वालों में प्रवीन, अंकुश,समीर, बलजीत, नवीन, पंकज, संदीप,ओमबीर, अनिल, विशाल,सुभाष, विकास के नाम शामिल हैं।

इस्कॉन प्रचार समिति ने आर्य नगर में निकाली हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी

मर्यादा, संयम व सत्य के पथ पर चलकर समाज की कलह को करें दूर : रघु कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति, सोनीपत ने पुरुषोत्तम मास के शुभारंभ पर रविवार को आर्य नगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह आर्य नगर स्थित रंग सेविका देवी के निवास पर तुलसी पूजन व आरती के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस देवी के निवास पर संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। मार्ग पर जगह-जगह हरिनाम का गुणगान किया गया।

श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी के दौरान भक्तिमय गीतों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन किया। साथ ही श्री हरि की महिमा का बखान कर पुरुषोत्तम मास के महत्व से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीय लोगों ने प्रभातफेरी का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

सोनीपत। आर्य नगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य।

भक्ति ही बताती है परेशानियों का उपाय

रघु कुमार दास ने बताया कि भक्ति ही एक ऐसा उत्तम उपाय है, जो परेशानियों का समाधान बताती है। मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं, लेकिन उसका सुधार व प्रायश्चित जरूरी है। यदि हम भगवान की भक्ति नहीं करते हैं तो यह मनुष्य का जन्म सार्थक नहीं होगा। जीव का एकमात्र धर्म भगवान श्रीकृष्ण की सेवा करना है। मर्यादा, संयम, सत्य के पथ पर चलकर समाज में फैलते वैमनस्य और कलह को दूर किया जा सकता है। प्रभातफेरी में कृष्ण कृपा दास, भागवत तत्व दास, युग धर्मदास, कृष्ण कुमार गर्ग, श्याम सिंह रावत, मास्टर जयभगवान, मास्टर जगदीप पांचाल, जयप्रकाश, ब्रज नारद दास सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री राम के वनवास प्रसंग का किया भावपूर्ण वर्णन

शिव मंदिर में श्री सुंदरकांड पाठ और रामकथा

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से श्री शिव मंदिर तारा नगर में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अशोक कथूरिया ने कथा वाचन किया। इस दौरान ओमप्रकाश अरोड़ा ने कहा कि श्री रामचरित मानस में भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास का अत्यंत भावपूर्ण और विस्तृत वर्णन मिलता है, जिसमें त्याग, कर्तव्यपरायणता और आदर्श जीवन के उच्च मानदंड स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि माता कैकेई के दो वरदानों के कारण भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण को वनवास जाना पड़ा। वन गमन के दौरान श्रीराम ने तमसा नदी के तट पर विश्राम किया और बाद में निषादराज गुह के आतिथ्य को स्वीकार करते हुए गंगा पार कर चित्रकूट पहुंचे। कार्यक्रम में शाम रहेजा, सूरज कांत, ललित बत्रा, राकेश बहल, महेश पांडे, रमाकांत, मुकेश आनंद, मेहर चंद, दिनेश अरोड़ा, धीरज और भूषण मौजूद रहे। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बजाना कलां ग्लेडियेटर्स बनी यूनिक समर कप चैंपियन

फाइनल में यूनिक टीम को 22 रन से हराया

गन्नौर। क्रिकेट स्टेडियम के चेयरमैन अजय गोयल खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

यूनिक क्रिकेट स्टेडियम शेखपुरा में आयोजित यूनिक समर कप 2026 के फाइनल मुकाबले में बजाना कलां ग्लेडियेटर्स क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूनिक स्टेडियम क्रिकेट टीम को 22 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। रोमांचक मुकाबले का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान में पहुंचे। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बजाना कलां ग्लेडियेटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सुनील खोखर ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 13 छक्कों की मदद से नाबाद 114 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूनिक क्रिकेट टीम ने भी 20 ओवर में नौ विकेट पर 214 रन ही बना सकी। यूनिक टीम की ओर से कप्तान सुरेश पंघाल ने 40 तथा नवीन पंघाल ने 34 रन बनाए। बजाना टीम की तरफ से सागर ने तीन विकेट और दीपक गोयल ने दो विकेट हासिल किए। सुनील खोखर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में सुरेश पंघाल ने सर्वाधिक 276 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब हासिल किया। वहीं सुनील खोखर ने 256 रन बनाए। गेंदबाजी में अनुप इंदौरा, दीपक गोयल और लोकेश कादयान ने सर्वाधिक 10-10 विकेट लिए। समापन अवसर पर यूनिक क्रिकेट स्टेडियम के चेयरमैन अजय गोयल ने विजेता टीम के कप्तान लोकेश कादयान और खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान दिनेश धनखड़, दीपक मलिक, सलीम, सीटू पहल, जितेंद्र कौशिक और गुरमेल सहित आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों को प्रशिक्षित कर प्रतिभा को तराशा

एनसीएफ-2023 विषय पर जेकेआर पब्लिक स्कूल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

- 60 अध्यापकों ने प्रतिभागिता करके प्रशिक्षण ग्रहण किया
- कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन से हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। कार्यशाला में शिक्षकों का मार्गदर्शन करते हुए प्रशिक्षक।

जेकेआर पब्लिक गोहाना में रविवार को सीबीएसई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफ-2023) विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के 60 अध्यापकों ने प्रतिभागिता करके प्रशिक्षण ग्रहण किया। अध्यक्षता स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने की। यह कार्यक्रम प्राचार्य महेन्द्र पाराशर की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन विनोद कुमार और गीतिका अनेजा रहे। कार्यशाला में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, तार्किक चिंतन, गतिविधि आधारित अनुभवात्मक एवं सहयोगात्मक शिक्षा, खेल-खेल में सीखना, स्कूली ज्ञान को बच्चों के बाहरी जीवन से जोडऩा और पांच कोषों को विकसित करने बारे प्रशिक्षित किया। स्कूल प्राचार्य ने वक्ताओं को स्मृति चिह्न भेंट किए।

सोनीपत मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते पूर्व अध्यक्ष संजीव दहिया व अन्य।

वीरेंद्र दहिया चुने गए हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर्स एसो. के अध्यक्ष

सोनीपत। हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष व महासचिव पद के लिए रविवार को मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चुनाव प्रक्रिया संपन्न की गई। चुनाव प्रक्रिया का संचालन एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संजीव दहिया के मार्गदर्शन व पर्यवेक्षक के रूप में पूजा नागपाल की देखरेख में किया गया। चुनाव में सर्वसम्मति से खानपुर कलां स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र दहिया को हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर्स एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। इनके अलावा गांव लाठ स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अनिल गोयल को महासचिव चुना गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की, कि उनके नेतृत्व में एसोसिएशन शिक्षा अधिकारियों के हितों एवं शिक्षा के विकास के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेगी। कार्यक्रम में प्राचार्य संजीव दहिया, अतुल खट्टर, पवन नैन, मनजीत कुमारी, विनोद कुमार, अनिल गोयल, वीरेंद्र कुमार सहित एसोसिएशन के कई सदस्य मौजूद रहे।

असफलताओं को सफलता की सीढ़ी मानकर आगे बढ़ना चाहिए : कौशिक

- भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुमड़ रोड स्थित एक धर्मशाला में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुमड़ रोड स्थित एक धर्मशाला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मार्केट कमेटी गन्नौर के वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक मुख्य अतिथि पहुंचे और भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्मशाला समिति एवं आयोजकों द्वारा कौशिक का उन्हें पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि जोगेंद्र शर्मा बजाना, पंडित उमेश शर्मा, एडवोकेट प्रवीण कौशिक, राम प्रसाद कौशिक, ने शिरकत की।

गन्नौर। मुख्य अतिथि वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक व विशिष्ट अतिथि जोगेंद्र शर्मा का स्वागत करते आयोजक ।

डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन का प्रसंग साझा किया

अपने संबोधन में योगेश कौशिक ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन का प्रेरणादायी प्रसंग साझा किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1957 में एयरफोर्स में चयन न होने के बाद डॉ. कलाम निराश हो गए थे, लेकिन ऋषिकेश में स्वामी शिवानंद सरस्वती ने उन्हें निराश न होने और कर्म करते रहने का संदेश दिया। बाद में वही डॉ. कलाम देश के राष्ट्रपति बने और पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जीवन में असफलताओं से घबराने की बजाय उन्हें सफलता की सीढ़ी मानकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने शिक्षा, संस्कार और अनुशासन का महत्व बताया तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नरेश कौशिक, आशीष कौशिक, संजय शर्मा, सुरेंद्र सरपंच बेगा आदि मौजूद थे।

सूबेदार छोटूराम श्योराण को किया नमन

गोहाना। दूसरे विश्व युद्ध के वीर योद्धा मिलिट्री क्रॉस महावीर चक्र विजेता सूबेदार छोटूराम श्योराण का जन्मदिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। उनके पैतृक गांव आहुलाना के मंदिर में बेटे भूप सिंह श्योराण और सतबीर सिंह आर्य द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने छोटूराम श्योराण के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनके साहस और वीरता को याद करते हुए उन्हें नमन किया। पौत्र मोहित श्योराण ने बताया कि उनके दादा सूबेदार छोटूराम श्योराण छह भाइयों में सबसे छोटे थे। उन्होंने संयुक्त पंजाब और पुराने रोहतक जिले का नाम देशभर में रोशन किया। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बर्मा मोर्चे पर लड़ाई के समय उनको छह गोलियां लगी थीं।

लोकगायक स्व. राजकिशन को मिलना चाहिए था सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

हरियाणवी लोकगायक राजकिशन अगवानपुरिया की पुण्यतिथि पर गांव अगवानपुर में रागनी कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे व अतिथि त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत हवन यज्ञ के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों ने लोकगायक राजकिशन अगवानपुरिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कादियान ने कहा कि राजकिशन अगवानपुरिया ने हरियाणवी लोक संस्कृति और रागनी कला में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें जितना सम्मान मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिला। कादियान ने कहा कि वह विधानसभा में राजकिशन अगवानपुरिया के नाम पर स्कूल का नाम रखने की पुरजोर आवाज उठा चुके हैं और उनका प्रयास रहेगा कि सरकार की ओर से उन्हें मरणोपरांत सम्मान व अवार्ड दिया जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, कलाकार और रागनी प्रेमी मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान का कार्यक्रम में पहुंचने पर सम्मान करते हुए ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समाज में विशेष पहचान बनाई : त्यागी

कार्यक्रम में हरियाणा त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने कहा कि स्वर्गीय राजकिशन भगवान अगवानपुरिया ने अपनी लोक गायकी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में विशेष पहचान बनाई थी। उनकी कला और समाज के प्रति योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

गन्नौर। त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत त्यागी का कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीण सम्मान करते हुए ।

कौशल विकास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी : दीपक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

जीवन में कौशल विकास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। युवा शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी और जीवन कौशल के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करें। इससे युवाओं में आत्मनिर्भर बनने के गुणों का विकास होता है उसे रोजगार हासिल करने में आसानी रहती है। विद्यार्थियों को यह सलाह गोहाना-खरखौदा मार्ग स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल के एमडी दीपक मान ने दी। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक व तेज तर्रार जमाने में केवल पढ़ाई करके डिग्री लेना ही काफी नहीं है। आज सफलता प्राप्ति के लिए कौशल विकास की भूमिका बहुत ही अहम है। आज युवाओं को बाजार के बदलते स्वरूप को देखते हुए खुद को विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए तकनीकी और व्यवहारिक कौशल जैसे गुणों का विकास आवश्यक है। एमडी दीपक मान ने कहा कि युवा अपने दैनिक जीवन में खुद के अलावा अपने घर व परिवार की आवश्यकताओं को समझकर फैसला लें। विपरीत परिस्थितियों में सही समय पर निर्णय लेना, अपने व्यवहार कौशल से दूसरों को समझना-परखना और बदलती चुनौतियों का समझदारीपूर्वक सामना करना जीवन कौशल के गुण हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में कैबिनेट मंत्री ने सत्र को किया संबोधित

भाजपा की राजनीति सेवा व अंत्योदय पर आधारित : अरविंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि भाजपा की राजनीति सत्ता नहीं बल्कि सेवा और अंत्योदय के सिद्धांत पर आधारित है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन को आधार बनाकर केंद्र और प्रदेश सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। प्रत्येक कार्यकर्ता को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर पात्र नागरिक योजना का लाभार्थी बने, ताकि सबका साथ, सबका विकास की भावना मजबूत हो सके। गोहाना भाजपा द्वारा पट्टी कल्याणा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है।

गोहाना। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

कार्यकर्ताओं का किया मार्गदर्शन

प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, सरकार की नीतियों तथा जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। सत्र की अध्यक्षता गोहाना जिला भाजपा के जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना ने की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, हर घर नल से जल, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की प्रदेश सरकार योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाते हुए उनको समाज की मुख्यधारा में लाना सुनिश्चित कर रही है। इस अवसर पर गोहाना जिला भाजपा प्रभारी डॉ. किरण कलकल, निर्मल बैरागी और भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक आदि उपस्थित रहे।

पात्र परिवारों की पहचान करें

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएं तथा घर-घर जाकर पात्र परिवारों की पहचान करें ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। जब अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचेगा, तभी विकसित भारत-2047 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प शीघ्र पूरा होगा।